imma™

Veer Arjun
White Topping
Date: 11-04-2011 | Edition: Jaipur | Page: 8 | Source: Bureau | Clip size (cm): W: 9 H: 12

जेके लक्ष्मी सीमेंट ने जेडीए की व्हाइट टॉपिंग पायलट परियोजना में की भागीदारी

वीर अर्जुन संवाददाता

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने टोंक रोड पर प्रस्तावित जेके लक्ष्मी सीमेंट तथा अन्य प्रमुख सीमेंट कंपनियों के सहयोग से प्रस्तावित एक किलोमीटर मार्ग पर 'व्हाइट टॉपिंग' पायलट परियोजना पर कल काम शुरू किया। ये कंपनियां आरएमसी भी बनाती हैं। व्हाइट टॉपिंग दरअसल, मौजूदा सड़कों पर कंक्रीट की परत बिछाने की प्रक्रिया है जिससे इन सड़कों की बोझ वहन करने की क्षमता बढ़ने के साथ-साथ इनका जीवनकाल भी बढ़ेगा। साथ ही, इन सड़कों का रखरखाव करना भी आसान और कम-खर्चीला है। 'व्हाइट टॉपिंग' से सड़कें अधिक सुरक्षित बनती हैं और ये वाहनों की ईंधन खपत में भी कमी लाती हैं। इस मार्ग पर सड़क की स्थिति का जायजा लेने के बाद दूसरी सड़कों पर भी इस परियोजना को अंजाम दिया जाएगा। जयपुर विकास प्राधिकरण इस परियोजना के लिए और सड़क मार्गों की पहचान कर रहा है। श्री शैलेन्द्र चोकसी, पूर्ण कालिक निदेशक, जेके लक्ष्मी सीमेंट (8000 करोड़ रु मूल्य के जेके संगठन की कंपनी) ने कहा, "सड़कें किसी भी देश की जीवनरेखा के समान होती हैं और हम ऐसी परियोजना का हिस्सा बनकर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं जो सड़कों पर गड्ढों को खत्म कर रोज-बरोज़ इन मार्गों से गुजरने वाले यात्रियों की तकलीफों को दूर करेगी। जेके लक्ष्मी सीमेंट ने इस परियोजना के लिए समर्थन देने का फैसला किया है। हमें पूरा यकीन है कि व्हाइट टॉपिंग ओवरले के बाद सड़कों की मौजूदा स्थिति में सुधार आएगा। वाहन-चालकों को कुशल ईंधन खपत का लाभ भी मिलेगा। यह कुल-मिलाकर एक नए युग की शुरूआत है और इसके चलते हम देश में गड्ढों से मुक्त सुगम सड़कों को लेकर गौरवान्वित महसूस करेंगे।"

इस परियोजना के बारे में देश में सीमेंट कंक्रीट सड़कों के विशेषज्ञ और पूर्व मुख्य इंजीनियर, सड़क यातायात एवं राजमार्ग मंत्रालय डॉ एल आर कदियाली ने कहा, "हमारे देश की ज्यादातर सड़कों की ऊपरी परत बिटुमिनस की है जिन्हें लगातार रखरखाव की आवश्यकता पड़ती है और इन पर गड्ढों को भरने, मरम्मत करने तथा समय-समय पर नई सड़कों को बिछाने, परत बिछाने की प्रक्रिया निरंतर जारी रहती है। जयपुर की तमाम सड़कें बिटुमिनस परत वाली हैं। कच्चे पेट्रोलियम से प्राप्त होने वाला बिटुमिन आने वाले समय में न सिर्फ दुर्लभ होने लगेगा बल्कि इसकी कीमत भी बढ़ जाएगी।